FORM NO. III

फर्द अहकाम

(नियम 15)

अज अदालत ---- उपखण्डाधिकारी ---- मुकाम ------ धौलपुर ----

फूलमाला देवी ---- बनाम ---- तहसीलदार धौलपुर

किस्म मुकदमां -- पत्थरगढी (129 LRAct) -- नम्बर ---- 115 ---- सन् 23

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म तामील में जारी हुये
30.04.2024	प्रार्थीया फूलमाला पत्नि नरेन्द्रसिंह यादव निवारी कायस्थपाडा तहसील व जिला धौलपुर वर्तमान पता शंकर कॉलोनी बाडी रोड धौलपुर की ओर से अभिभाषक ने प्रार्थना पत्र वास्ते पत्थगढी अंन्तर्गत धारा 129 एल.आर एक्ट प्रस्तुत कर ग्राम मौहल्लीपुरा पटवार हल्का पचगॉव, भू.अ. नि. क्षे. पचगांव तहसील व जिला धौलपुर स्थित स्वंय की खातेदारी के खाता संख्या 62 के खसरा नम्बर 605 क्षेत्रफल 0.4805 हैक्टेयर एवं खसरा नम्बर 891/591 क्षेत्रफल 0.1012 हैक्टेयर की विधिवत रूप से पडोसी एवं गांव वालो की मौजूदगी में पैमाईश दिनांक 17.06.2022 को करवाई गई थी उक्त खसरा नम्बरान की सीमाओ पर मुस्तकिल निशानात कायम करवाये थे, जो आज भी मौजूद है । वर्तमान में आवारा पशुओ की संख्या अधिक है तथा आवारा पशुओ से अत्यधिक मात्रा में फसल बर्बाद हो जाती है तथा मुताबिक पैमाईश रिपोर्ट तारीख 17.06. 2022 के मुताबिक अपने खर्चे पर पत्थरगढी करवाना चाहती है जिससे आवारा पशुओं द्वारा फसल में किया जा रहा नुकसान रोका जा सके एवं पत्थगढी करवाने हेतु निवेदन किया है। वकील प्रार्थिया की बहस एवं पत्रावली में संलग्न तहसीलदार धौलपुर की रिपोर्ट का अवलोकन किया गया। मुताबिक तहसीलदार धौलपुर की रिपोर्ट द्वारा प्रार्थना पत्र में अंकित भूमि का मौका निरीक्षण किया गया जिसके अनुसार प्रार्थीया आवेदित भूमि की खातेदार काश्तकार है एवं आवेदन के साथ संलग्न मौका पर्चा अनुसार दिनांक 17.06.22 में तत्कालीन तहसीलदार के द्वारा पैमाईश की जा चुकी है, निशानात लगवाये गये है, निशानों को प्रार्थिया के पति एवं अन्य खातेदारों को अवगत करया गया है। राजस्व रिकॉर्ड के अनुसार उक्त ख.न. पर कोई स्थगन नही है। अतः प्रार्थीया द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाकर तहसीलदार धौलपुर को आदेश दिये जाते है कि भूमिधारी आवेदक की खातेदारी की आराजी एवं आस–पास की भूमि खाली होने पर आवेदित भूमि की नियमानुसार शुल्क जमा कराया जाकर पत्थरगढी किये जाने के ओदश दिये जाते है। पत्रावली फैशल शुमार होकर दाखिल दफ्तर हो। उपखण्डाधिकारी धौलपुर (राज0)	